



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 102]

नई दिल्ली, बुधवार, अगस्त 1, 1984/श्रावण 10, 1906

No. 102]

NEW DELHI, WEDNESDAY, AUGUST 1, 1984/SRAVANA 10, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय

(आयात व्यापार नियंत्रण)

सार्वजनिक सूचना सं० 39-आईटीसी (पीएन)/84

नई दिल्ली, 1 अगस्त, 1984

विषय: 1983-84 के लिए 20 मिलियन येन की जापानी अनुदान सहायता
के अंतर्गत भारत के राष्ट्रीय अभिलेखागार नई दिल्ली द्वारा
जापान से भारत के पत्तनों पर उपस्करों को लाने के लिए आवश्यक
माइक्रो-फिल्म उपस्करों और सेवाओं के आयात के लिए लाइसेंस
पत्र

मिस्त्र सं० आईपीसी/23(4)/84—भारत के राष्ट्रीय अभिलेखागार,
नई दिल्ली द्वारा जापान से 20 मिलियन येन की जापानी अनुदान सहायता
के अंतर्गत माइक्रो-फिल्म उपस्करों के आयातों के लिए लागू होने वाली
जैसी शर्तें इस सार्वजनिक सूचना के परिशिष्ट में दी गई हैं, उन्हें जानकारी
के लिए अधिसूचित किया जाता है

प्रकाशक चन्द्र जैन, मुख्य नियंत्रक, आयात एवं निर्यात

वाणिज्य मंत्रालय, सार्वजनिक सूचना सं० : 39-आईटी
सी (पी एन)/84 दिनांक 1 अगस्त, 1984 का परिशिष्ट

1983-84 के लिए 20 मिलियन (येन 20,000,000) येन की
जापानी अनुदान सहायता के अंतर्गत जापान से भारत में माइक्रोफिल्म
उपस्कर और भारत में पत्तनों तक उपस्कर के आयात के लिए आवश्यक
सेवाओं के आयात के लिए लाइसेंस पत्र

खंड-1 सामान्य शर्तें

1(1) 1983-84 के लिए 20 मिलियन येन (लागत एवं भाड़ा)
की जापानी अनुदान सहायता का उपयोग माइक्रोफिल्म उपस्कर और उन्हें
भारत में पत्तनों तक ले जाने के लिए आवश्यक सेवाओं के आयात के लिए
जापानी संस्करणों को भुगतान के लिए भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार, नई
दिल्ली द्वारा किया जाएगा।

(2) आयातक के नाम में कुल येन 22 मिलियन (लागत बीमा
भाड़ा) की धनराशि तक के लिए आयात लाइसेंस जारी किए जाने चाहिए
और इस पर "1983-84 के लिए येन 20 मिलियन जापानी अनुदान
सहायता" अभिलेख अंकित होना चाहिए प्रथम और द्वितीय प्रत्येक के
लिए लाइसेंस कोड "एम/जेएन" होगा।

1(3) आयात लाइसेंस को सदैव विदेशी मुद्रा का प्रेषण अनुमेष नहीं होगा किन्तु बैंक आफ इंडिया टोकियो को जो प्रसार सामान्य बैंकिंग प्रणाली के माध्यम से पेशित किए जाते हैं, वे इसमें शामिल नहीं हैं। यदि कोई हो तो, भारतीय एजेंट को कमोशन का भुगतान भारतीय रुपए में किया जाना चाहिए, लेकिन ऐसे भुगतान लाइसेंस मूल्य का ही एक अंग समझे जाएंगे और अन्तः लाइसेंसधारी ने ही बनूल किए जाएंगे।

1(4) इस अनुदान सहायता के अन्तर्गत उपस्कर केवल जापान से ही अधिप्राप्त किए जाने चाहिए।

1(5) आयात लाइसेंस लागत-बीमा-भाड़ा के आधार पर जारी किए जाएंगे, जिनकी वैधता 31-3-1985 तक होगी।

1(6) संविदा में भुगतान की व्यवस्था नकद आधार अर्थात् बैंक आफ इंडिया, टोकियो को जापानी संभरकों द्वारा सदान दस्तावेजों के प्रस्तुत करने पर करनी चाहिए। विवरण की अवधि निम्न प्रकार से होती चाहिए :

"वितरण 15-3-1985 तक पूर्ण हो जाना चाहिए।"

1(7) संविदा का मूल्य (केवल लागत एवं भाड़े के आधार पर) येन में (येन का अंश हटा देना चाहिए) प्रदर्शित किया जाना चाहिए और यदि कोई हो तो, भारतीय अधिकता का कमोशन निकाल देना चाहिए। किसी भी परिस्थिति में भारतीय अधिकता का मूल्य किसी अन्य मुद्रा में प्रदर्शित नहीं किया जाना चाहिए।

जहाँ पर्यन्त निःशुल्क लागत एवं भाड़ा राशि भ्रमण से दर्शाई जानी चाहिए, किन्तु संविदा में यह स्वतः स्पष्ट होना चाहिए कि भाड़े का भुगतान वास्तविक आधार पर किया जायगा अथवा उसमें दर्शाया गया भाड़ा वास्तविक खर्चों के अतिरिक्त भुगतान की राशि होगा।

1(8) कम संविदा जापानी राष्ट्रों द्वारा नियमित, केवल जापानी राष्ट्रों या जापानी न्यायिक व्यक्तियों द्वारा की जानी चाहिए।

खंड-2 संभरण ठेकों में निम्नलिखित प्रावधान स्पष्ट रूप से समाविष्ट होना चाहिए :—

2(1) ठेके की व्यवस्था 1983-84 के लिए येन 20 मिलियन के अनुदान सहायता के अनुसार भारत और जापान की सरकारों के बीच हुए 11 मई, 1984 को हुए समझौते के अनुसार होगी चाहिए और दोनों सरकारों के अनुमोदन के अधीन होगी।

2(2) संभरणों को भुगतान "भुगतान के प्राधिकार" (ए/पी) के माध्यम से किए जाएंगे। जो 1983-84 के लिए जापान अनुदान सहायता के अंतर्गत बैंक आफ इंडिया, टोकियो के लिए सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, यु० सी० ओ० बैंक बिल्डिंग, पालियामेंट स्ट्रीट नई दिल्ली-110001 द्वारा जारी किए जाएंगे।

2(3) जापानी संभरण ऐसी सूचनाओं एवं दस्तावेजों को प्रस्तुत करने के लिए सहमत होंगे एक और भारत सरकार एवं दूसरी और जापान सरकार द्वारा प्रेषित होंगे।

2(4) जापानी संभरण भारतीय वृत्तावास, टोकियो के परामर्श पर पोत परिवहन व्यवस्था करने के लिए सहमत हैं और इस उद्देश्य के लिए वह भारतीय वृत्तावास, टोकियो को शामिल माल की सुपुर्देगी के कार्यक्रम से अलग करायेंगी और पोत-लदान से कम से कम छः सप्ताह पूर्व भारतीय वृत्तावास को सूचना देगा जिससे कि उचित व्यवस्था हो सके। विशेष मामलों में जहाँ आयातक इच्छुक हों, सूचना की इस अवधि को कम किया जा सकता है। जापानी संभरण को प्रत्येक पोत-लदान के पश्चात् आवश्यक व्योरे देते हुए तार से सूचना भेजने के लिए सहमत होना चाहिए और उसकी एक प्रति भारतीय वृत्तावास, टोकियो को भेजी जानी चाहिए।

खंड-3 भारत और जापान की सरकारों द्वारा ठेके का अनुमोदन

3(1) जैसे ही आदेशों को अंतिम रूप दे दिए जाते हैं, लाइसेंसधारी को दोनों पार्टियों द्वारा विधिवत् हस्ताक्षरित ठेके की चार प्रतियां जापानी संभरणों को भारतीय आयातक द्वारा दिए गए ऋण आवेदन के साथ जापानी संभरणों द्वारा लिखित रूप में पुष्टिकृत आदेश की तार, प्रतियां या सभी प्रकार के पूर्ण आयात लाइसेंस की दो फोटो प्रतियों के साथ अनुबंध-1 के प्रथम के "(ए/पी) जारी करने के आदेश" की दो फोटो प्रतियां जबर रजिस्टर (टी ए) आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, नार्थ ब्लॉक, नई दिल्ली को भेजनी चाहिए। उपर्युक्त प्रक्रिया संविदा की विषय-वस्तु या उसकी कीमत के आवश्यक आशोधनों से उत्पन्न सभी संविदा संबंधितों के लिए भी लागू होगी।

3(2) वित्त मंत्रालय (डीईए) जापान अनुभाग 1983-84 के लिए 20 मिलियन येन की जापानी अनुदान सहायता के अधीन वित्तदान देने के लिए संविदा की एक प्रति जापान सरकार को अनुमोदन के लिए भेजेगा, और इसी के साथ-साथ उपर्युक्त (1) में उल्लिखित दस्तावेजों का एक सेट सहायता लेखा व लेखा परीक्षा नियंत्रक और भारत के वृत्तावास, टोकियो को भी भेजेगा।

3(3) जापान सरकार से ठेका अनुमोदन प्राप्त करने के बाद वित्त मंत्रालय आर्थिक विभाग, नार्थ ब्लॉक को उनकी सूचना सहायता लेखा व लेखा परीक्षा नियंत्रक, आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, यु० सी० ओ० बैंक बिल्डिंग, संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001 को देगा जो कि जापानी संभरण को भुगतान करने के लिए बैंक आफ इंडिया, टोकियो को अनुबंध-2 के अनुसार एक "भुगतान प्राधिकार-पत्र" (ए/पी) जारी करेगी। प्राधिकारी-पत्र (ए/पी) की प्रतियां भारत का वृत्तावास, टोकियो, आयातक भारत में आयातक के बैंक और वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग के जापान अनुभाग को भेजी जाएगी।

3(4) भुगतान के लिए प्राधिकार-पत्र (ए/पी) की प्राप्ति के बाद बैंक आफ इंडिया, टोकियो, जापान सरकार, भारत का वृत्तावास टोकियो, भारत में आयातक के बैंक और सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक को सूचना देते हुए इस प्राप्ति की सूचना से जापानी संभरण को अनगत कराएगा।

3(5) पोतलदान करने के बाद जापानी संभरण अपने बैंकों के माध्यम से ए/पी में उल्लिखित दस्तावेज बैंक आफ इंडिया, टोकियो को प्रस्तुत करेगा। यदि दस्तावेज सही पाए गए तो बैंक आफ इंडिया, टोकियो दस्तावेजों में उल्लिखित धनराशि को जापानी संभरणों को अपने बैंकों के माध्यम से रिहा करेगा।

3(6) जापानी संभरण को भुगतान की व्यवस्था करने के लिए बैंक आफ इंडिया, टोकियो की देय बैंक खर्च भारत सरकार के लेखे को प्रभावित किए बिना सामान्य बैंक प्रणाली के माध्यम से भारत में आयातक से संबंध बैंक द्वारा बैंक आफ इंडिया टोकियो को धन परेषित करके निर्णीत किया जाएगा।

खंड-4 गणना अमा कराने का उत्तरदायित्व

4(1) मूल विनियम पोत परिवहन दस्तावेज निरपवाद रूप से बैंक आफ इंडिया टोकियो द्वारा भारत में आयातक के संबंध बैंक को भेजे जाएंगे जो भारतीय स्टेट बैंक या किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक को अनुबंध-1 के (ग) में उल्लिखित है, की शाखा होती, उस बैंक को दस्तावेजों के ये विनियम सेट केवल इस बात का सुनिश्चित कर लेने के बाद ही संबंध आयातक को देने चाहिए कि जापानी संभरण को चुकाई गई यह धनराशि के बराबर कथन उन मामलों में जहाँ देने योग्य है ब्याज के खर्च सहित जापानी संभरण को भुगतान कर दिया गया है और इस धनराशि पर जापानी संभरण को बैंक आफ इंडिया, टोकियो द्वारा किए गए भुगतान की तिथि से वास्तविक रुपया अमा करने की तिथि की अवधि पर पहले 30 दिनों के लिए 12% प्रतिवर्ष की दर से शाय अवधि के लिए 18 प्रतिशत प्रति वर्ष की

दर से हिसाब लगा कर ब्याज सार्वजनिक सूचना सं० 31 आईटीसी- (पी एन)/83 दिनांक 10-8-83 के अनुसार सरकारी लेखों में जमा कर दिया गया है। ब्याज दोनों दिनों अर्थात् जिस दिन जापानी संभरक को भुगतान किया जाता है, और जिस दिन सरकारी लेखों में रुपया जमा किया जाता है, के लिए देय है, देखिए सार्व० सूचना सं० 103-आईटीसी (पी एन)/76, दिनांक 12-10-1976 द्वारा संशोधित सार्वजनिक सूचना सं० 74-आईटीसी (पी एन)/71 दिनांक 31-5-1974।

येन भुगतान के समतुल्य रुपए की गणना करने के लिए अपनाई गई मुद्रा विनिमय की दर मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात की सार्वजनिक सूचना सं० 8-आईटीसी (पी एन)/76, दिनांक 17-1-76 में यथा निर्धारित मुद्रा विनिमय की प्रवृत्ति मिश्रित दर या समय-समय पर मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात की सार्वजनिक सूचनाओं या भारतीय रिजर्व बैंक के मुद्रा विनिमय नियंत्रण परिपत्रों के माध्यम से सरकार द्वारा अधिसूचित दर होती। इस संबंध में और ब्याज की दर के संबंध में भी कोई भी परिवर्तन जैसे ही आवश्यक होगा, अधिसूचित किया जाएगा। संबद्ध भारतीय बैंक का इस बात का सुनिश्चित करने का दायित्व होगा कि आयातकों को आयात दस्तावेज सौंपने से पूर्व देय धनराशि सरकारी लेखों में नहीं रूप से जमा कर दी गई है। आयातक को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि अपने बैंकों से दस्तावेज लेने के पहले देय धनराशि सरकारी लेखों में सही रूप से जमा करा दी गई है।

यह सुनिश्चित करने की आयातकों की जिम्मेवारी होगी कि देय धनराशि सरकारी लेखों में ठीक से जमा करवा दी गई है जबकि उन्होंने विशेष परिस्थितियों में सीमा-शुल्क प्राधिकारियों से माल की सुपुर्वसी प्राप्त की हो। उस मामले में जब आयातक सरकार को देय धनराशि, मांग छुड़ाने से पूर्व जमा करवाने में अनमर्ष होता है तो उसे आरो एल० ए० एस० जारी करना रोक दिया जाएगा और मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात की तथ्यों से अवगत करवाया जाएगा जिसे ऐसे आयातक को आगे कोई आयात लाइसेंस न जारी किया जाए।

लेखा धीरे-धीरे जिसमें उपयुक्त रुपया निक्षेप किया जाएगा वह है "के-डिपोजिट्स एंड एडवांसिज-843-मिक्स डिपोजिट्स-डिपोजिट्स फार वरचेजिज एडवांसिज एंड एडवांसिज-परचेजिज अंडर ग्रांट एंड फ्राम बि गवर्नमेंट आफ जापान फार 1983-84 भारत में ऐतिहासिक रिकार्डों के संरक्षण के लिए माइक्रोफिल्म उपकरण/सेवाओं की खरीद के लिए अनुदान।

4(2) ऊपर उल्लिखित धनराशि या तो भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली में चालान के बाहने कोने में कोड सं० 5130000009 दर्शाते हुए या स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, सीस हजारी, दिल्ली में या यदि संभव न हो तो स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, तीस हजारी शाखा, दिल्ली-6 (आदेशित और प्रापक) के नाम और उसकी वेब स्टेट बैंक ऑफ इंडिया या इसकी सहायक शाखा या किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक (आदेशक) से प्राप्त डिमांड ड्राफ्ट के माध्यम से सरकार के खाते में मकद जमा कराना चाहिए। सार्वजनिक सूचना सं० 184-आईटीसी (पीएन)/68, दिनांक 30-8-1968, सं० 233-आईटीसी (पीएन)/68, दिनांक 24-10-68 और सं० 132-आईटीसी (पी एन)/71, दिनांक 5-10-71, सं० 74-आईटीसी (पी एन)/74, दिनांक 31-5-1974 और सं० 103-आईटीसी (पी एन)/76, दिनांक 12-10-1976 में दृष्टव्य है।

4(3) भारत में संबद्ध बैंक भी उपयुक्त निर्धारित विधि के अनुसार ऐसे प्रतिरिक्त निक्षेप भेजना और जैसे ही सेवा प्रभार के लिए सरकार द्वारा इसकी मांग की जाती है तो इस प्रकार की गई मांग के बाद सात दिनों के भीतर निक्षेप करेगा।

चालान के विभिन्न कालम भरते समय आयातकों/उनके बैंकों को यह सुनिश्चित कर देना चाहिए कि सार्वजनिक सूचना सं० 132-आईटीसी (पीएन)/71, दिनांक 5-10-71 और सार्वजनिक सूचना सं० 103-आईटीसी (पी एन)/76 दिनांक 12-10-76 के साथ की जाने वाली सार्वजनिक

सूचना सं० 74-आईटीसी (पी एन)/74 दिनांक 31-5-1974 के पैरा-2 में निर्धारित सूचना चालान के "धन परेषण और प्राधिकारी (यदि कोई हो) के पूर्ण धीरे" कालम में निरूपवाद रूप से निदिष्ट किए गए हैं। खजाना चालान में निम्नलिखित धीरे निरूपवाद रूप से प्रस्तुत करने चाहिए।

(क) वित्त मंत्रालय के "ए.पी" (भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र) की सं० एवं दिनांक,

(ख) येन मुद्रा की वह धनराशि जिसके संबंध में अपनार्ई गई परिवर्तन की दर को माय निक्षेप किए जाते हैं।

(ग) जापानी संभरक को भुगतान की तिथि।

(घ) भुगतान किए गए व्याज की धनराशि और वह जबकि जिसके लिए इसकी गणना की गई है।

(ङ) निक्षेप की गई कुल धनराशि

(व्याज की गणना जापानी संभरक को भुगतान की तिथि से सरकारी लेखों में तुल्य रुपया जमा कराने की तिथि तक करनी है)

उसके पश्चात् सी ए ए एंड ए द्वारा जारी किए गए ए/पी (भुगतान के लिए प्राधिकारी-पत्र) का संवर्ष देते हुए और बीजक तथा पोत परिवहन दस्तावेजों को संलग्न करते हुए खजाना चालान, रुपया जमा करने का साध्य वेतों हुए पंजीकृत डाक द्वारा सी ए ए एंड ए को भेजा जाना चाहिए।

टिप्पणी: भारत में आयातक के बैंकों को यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि बैंक ऑफ इंडिया टोकियो से भुगतान की सूचना और विनिमय पोत परिवहन दस्तावेजों को प्राप्ति के 10 दिनों के भीतर रुपया निरूपवाद रूप से जमा कर दिया गया है और यह कि इसके तुरन्त बाद इसकी सूचना सी ए ए एंड ए वित्त मंत्रालय (प्राथमिक कार्य विभाग) नई दिल्ली को दे दी गई है।

4(4) भारत में संबद्ध भारतीय बैंक को लाइसेंस की मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति पर रुपया निक्षेपों की धनराशि का पृष्ठांकन करना चाहिए और अपेक्षित "एस" प्रपत्र भारतीय रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया, बंबई को भेजना चाहिए।

खंड-5 विभिन्न व्यवस्थाएं

5(1) अनुदान सहायता के उपयोग पर रिपोर्ट

आयातक को पोतलदान और उसके अधीन किए गए भुगतान और रोप धनराशि के बारे में ए/पी जारी हो जाने के पश्चात् एक मासिक रिपोर्ट सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक, प्राथमिक कार्य विभाग, यू सी ऑ बैंक बिल्डिंग, संसद मार्ग, नई दिल्ली को भेजनी चाहिए।

5(2) आयातक को इस अनुदान सहायता के अधीन सर्वों के आयात के संबंध में उन विशेष प्रावधानों से संभरक को अवगत करा देना चाहिए जो माल के लेन-देन में संभरक पर प्रभाव डालती हों।

5(3) विवाद

यह समझ लेना चाहिए कि खजानाओं और संभरकों के बीच यदि कोई विवाद उठेगा तो उसके लिए भारत सरकार कोई उत्तर-दायित्व नहीं लेगी। बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो द्वारा भुगतान से पहले संभरक द्वारा पूरी को जाने वाली शर्तें आयातक द्वारा अनुबंध-1 में "भुगतान की शर्तों" के अंतर्गत मण्डी तरह से स्पष्ट करनी चाहिए। संविदा की शर्तों में विवाद निपटाने से संबंधित व्यवस्थाएं शामिल होनी चाहिए।

5(4) भविष्य अनुदेश

जापान से 1983-84 के लिए अनुदान सहायता के अधीन आयातों से उत्पन्न या उनके संबंध में खड़े होने वाले किसी भी मामले या सभी मा

के संबंध में समय-समय पर भारत सरकार द्वारा जारी किए गए निदेशों, अनुदेशों या आदेशों की और सभी दायित्वों को आयातक को सुरक्षित पूरा करना होगा।

5(5) अतिक्रमण या उल्लंघन

उपयुक्त अनुच्छेदों में निर्धारित की गई शर्तों के अतिक्रमण या उल्लंघन करने पर आयात-निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम के अधीन उचित कार्रवाई की जाएगी।

5(6) अनुबंधों की सूची

अनुबंध-1	ए/पी जारी करने के लिए प्रार्थना-पत्र
अनुबंध-2	ए/पी का प्रपत्र

अनुबंध-1

“भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए प्रार्थना पत्र”

सं०

दिनांक

सेवा में,

सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक,
वित्त मंत्रालय,
आर्थिक कार्य विभाग,
यू सी ओ बैंक बिल्डिंग, प्रथम मंजिल,
संसाधन मार्ग, नई दिल्ली-110001

विषय: 1983-84 के लिए येन 20 मिलियन की जापान अनुदान सहायता के अंतर्गत जापान से भारत में पत्तनों के लिए उपस्कर के यातायात के लिए आवश्यक माइक्रोफिल्म उपस्कर और सेवाओं का आयात।

महोदय

ऊपर उल्लिखित अनुदान सहायता के अधीन जापान से उपयुक्त के आयात के संबंध में हम आपको निम्नलिखित व्योरा भेजते हैं जिससे कि आप संबंध जापानी संभरक के पक्ष में बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो को भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र (ए/पी) जारी कर सकें:—

- (क) भारतीय आयातक का नाम और पता
- (ख) आयात लाइसेंस की संख्या, दिनांक और मूल्य और वह तिथि जब तक यह वैध है।
- (ग) अधिप्राप्ति के तरीके:—क्या यह प्रत्यक्ष खरीद पर आधारित है या सीमित खुली निविदा पर आधारित है। इस मामले में कारणों सहित यह निर्दिष्ट करना है कि क्या संविदा का निर्णय उपयुक्त तकनीकी प्रस्ताव के आधार पर किया गया है।
- (घ) माल का संक्षिप्त विवरण
- (ङ) माल का उद्गम देश
- (च) संविदा की कुल लागत और भाड़ा मूल्य (येन में)
- (छ) यदि कोई हो तो भारतीय रुपए में भारतीय एजेंट के कमीशन की धनराशि (येन में)
- (ज) वह कुल लागत तथा भाड़ा मूल्य (येन में) जिसके लिए भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र की आवश्यकता है।
- (झ) जापानी संभरकों के साथ की गई संविदा का नाम और दिनांक
- (झ) जापानी संभरक का नाम और पता और एक पाश्चात्-प्रमाण-पत्र (दो प्रतियों में संलग्न करें)

(ट) बैंक भुगतान शर्तें और संभावित तिथि जिनको संविदा अंतर्गत भुगतान देय होंगे।

(ड) माल की सुपुर्वगी पूर्ण करने की प्रत्याशित तिथियां

(इ) बैंक ऑफ इंडिया टोकियो को भुगतान करने समय प्रस्तुत किए जाने वाले दस्तावेज (प्रत्येक सैट की संख्या और उनका निपटारा दर्शाते हुए)

(ई) पोतलदान अनुदेश (अनुमेय या गैर अनुमेय बाह्यनान्तरण/आंशिक पोतलवान निर्दिष्ट कीजिए)

(ण) भारत में आयातक बैंक का नाम और पता।

(त) आयातक द्वारा बचनबद्धता:—“हम एतद्वारा वचन देते हैं कि हम विदेशी संभरक को वेय धनराशि के समतुल्य रूप की पूर्ण धनराशि को सरकार द्वारा निर्धारित क्रियाविधि से और प्रचलित ढर पर सही रूप से जमा करवा देंगे। माल (आयातित सामग्री) के प्रत्येक परेण की सूचना प्राप्त करने से पूर्व राशि शीघ्र ही जमा करवा दी जाएगी। विदेशी राष्ट्रों की सेवाओं के लिए भुगतान के मामले में जैसे ही हमारे द्वारा विदेशी संभरक के संगत बीजक अनुमोदित किए जाते हैं और संभरक को भुगतान किया जाता है जैसे ही राशि जमा करवा दी जाएगी।”

अनुबन्ध-2

सं० एक

भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक

सेवा में,

बैंक ऑफ इंडिया,
टोकियो शाखा,
टोकियो (जापान)

विषय:— 1983-84 के लिए येन 20 मिलियन की जापान अनुदान सहायता के अंतर्गत जापान से भारत में पत्तनों को उपस्कर के यातायात के लिए माइक्रोफिल्म उपस्कर और सेवाओं का आयात/भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र जारी करना।

प्रिय महोदय,

आपके बैंक के साथ को किए गए समझौते की शर्तों के अनुसार आपको एतद्वारा परिशिष्ट में दिए गए यथा संलग्न व्योरे के अनुसार सर्वश्री को येन धनराशि के भुगतान के लिए प्राधिकृत किया जाता है।

2. कृपया भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र (ए/पी) की पावती के बारे में संभरकों को सूचना दें और इसकी प्रत्येक सूचना पत्र की एक प्रति जापान सरकार, आयातक बैंक, भारत के राजदूतावास, टोकियो और इस मंत्रालय को पृष्ठांकित की जाए।

3. भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र की शर्तों के अनुसार भुगतान परिशिष्ट में यथा संकेतित सदान दस्तावेजों के आधार पर किया जाएगा।

4. आयातक द्वारा आपको दस्तावेज संभरकों एवं बैंकों के प्रभार को भेजने आदि के लिए भाड़े सहित अदा किए जाने वाले बैंकिंग भाड़े आयातक के बैंक द्वारा सीधे ही निर्धारित किए जाएंगे।

5. जैसे ही जापानी संभरक द्वारा प्रस्तुत किए गए लवान दस्तावेज आदि के आधार पर आपके द्वारा कोई भी भुगतान किया जाता है तो इसकी सूचना निर्धारित प्रपत्र में इस मंत्रालय और आयातक के बैंक को भेजी जानी चाहिए।

6. इस मंत्रालय की विशेष अनुमति के बिना भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र के लिए कोई भी संगोपन जारी नहीं किया जा सकता है।

7. यह भुगतान प्राधिकार पत्र तक वैध रहेगा।

भवदीय.

(लेखा अधिकारी)

1. आयातक को उसके पत्र सं० दिनांक के संदर्भ में।

उससे अनुरोध किया जाता है कि वे बैंकों के परामर्श दस्तावेजों की सुपुर्दगी लेने से पूर्व अपने बैंकों के माध्यम से रुपए निक्षेप आदि को जमा करवाने की व्यवस्था करें। यदि विभिन्न परिस्थितियों की वजह से मूल परिवहन दस्तावेज प्रस्तुत किए बिना सीमा-शुल्क प्राधिकारियों और पत्तन के प्राधिकारियों से माल की सुपुर्दगी सीधे ही प्राप्त करनी हो तो वहां सुपुर्दगी प्राप्त करने से पूर्व धनराशि जमा करवानी चाहिए। विदेशी संभरकों द्वारा दी गई सेवाओं के लिए भुगतान के मामले में जैसे ही भुगतान के लिए बीजक अनुमोदित किए जाते हैं जैसे ही धनराशि जमा करवा देना चाहिए। शीघ्र ही और सही रूप से धनराशि जमा करवाने में असमर्थ होने पर लाइसेंसिंग शर्तों में उल्लिखित कार्रवाई की जाएगी।

2. आयातक या बैंक उनसे निवेदन किया जाता है कि भारतीय बैंक आफ इंडिया, टोकियो, ब्रांच से दस्तावेज प्राप्त करने पर जापानी संभरकों को येन भुगतान के बराबर रुपए जमा करने की व्यवस्था करें। संभरकों को चुकार्या गई धनराशि के बराबर रुपए की गणना सार्वजनिक सूचना सं० 3-आईटीसी (पीएन)/76, दिनांक 17-1-76 या अन्य ऐसी सार्वजनिक सूचना जो समय-समय पर जारी की जाएं के अनुसार विदेशी संभरकों को भुगतान करने की तिथि को यथा प्रचलित पन्थितन की मिश्रित दर पर की जाएगी। विदेशी संभरक के भुगतान अक्षमगी करने की तिथि तक सरकार के लेखे में मूल्य रुपया जमा करने की अवधि के लिए सार्वजनिक सूचना सं० 31 आईटीसी (पीएन)/83 दिनांक 10-8-83 के अनुसार पहले 30 दिनों के लिए 12 प्रतिशत दर पर और इससे अधिक की गणना की गई अवधि के लिए 18 प्रतिशत की दर से व्याज भी सरकारी लेखे में जमा करना होगा। व्याज दोनों दिनों के लिए देय होगा अर्थात् वह तिथि जिसको विदेशी संभरक को भुगतान किया जाता है और वह तिथि जो जिस दिन सरकारी लेखे में रुपया निक्षेप किया जाता है। (यदि इस दर में कोई परिवर्तन होता तो इसकी सूचना तुरंत दी जाएगी)। यह सुनिश्चय कर लेना चाहिए कि आयातक को सीमा-शुल्क निकासी के लिए आगत दस्तावेजों का मूल सेट दिए जाने से पूर्व यह धनराशि जमा कराई जाती है।

ये धनराशियां या तो बालान के बाहिने कोने में कोड सं० 5130000009 को दर्शाते हुए रिजर्व बैंक आफ इंडिया, नई दिल्ली या स्टेट बैंक आफ इंडिया तीस हजारी, दिल्ली में जमा करनी चाहिए या स्टेट बैंक आफ इंडिया की किसी शाखा या इसकी अनुपंगी संस्थाओं या किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक से उनके द्वारा प्राप्त की गई स्टेट बैंक आफ इंडिया, तीस हजारी शाखा, दिल्ली-6 (आदेशित और आगता) के नाम में और उसकी देय दर्शनी हुण्डो के माध्यम से करनी चाहिए। इस संबंध में आपका ध्यान सार्वजनिक सूचना सं० 233-आईटीसी (पीएन)/68, दिनांक 14-10-68, सं० 132-आईटीसी (पीएन)/71, दिनांक 5-10-71, सं० 74-आईटीसी (पीएन)/74, दिनांक 31-5-74 और सं० 103-आईटीसी (पीएन)/76, दिनांक 12-10-76 की शर्तों की ओर दिलाया जाता है। लेखा अधिकारी जिसमें धनराशि जमा की जाएगी वह "के डिपॉजिटर्स एण्ड एक्जिटर्स 843

सिविल डिपॉजिटर्स—डिपॉजिटर्स फार परचेजिस एंडसेक्यू एग्राइ—परचेजिस ग्राण्ड एंड फाम दि गर्वनमेंट आफ जापान फार 1983-84 है और विस्तृत लेख शीर्षक "भारत में ऐतिहासिक रिकार्डों के संरक्षण के लिए माइक्रोफिल्म उपस्कर की खरीद के लिए येन 20 मिलियन की अनुदान सहायता"।

जिन मामलों में मुख्य रुपया रिजर्व बैंक आफ इंडिया, नई दिल्ली या स्टेट बैंक आफ इंडिया, तीस हजारी में सार्वजनिक सूचना सं० 132-आईटीसी (पीएन)/71, दिनांक 5-10-71 के अनुसार नकद जमा किया जाता है उनमें बालान की मूल रूप में एक प्रतिलिपि बैंक आफ इंडिया, टोकियो शाखा से प्राप्त सूचना टिप्पणी का पूर्ण विवरण देते हुए अग्रवर्ण पत्र सहित उनके निम्नलिखित पते पर भेजी जाएगी:—

सहायता लेखा तथा लेखा परीक्षा नियंत्रक,
वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग)
पहला मंजिल, यू सी ओ बैंक बिल्डिंग,
सराय मार्ग, नव दिल्ली-110001

जिस मामले में मुख्य रुपया ऊपर संकेतित सार्वजनिक सूचना दिनांक 24-10-68 में यथा उल्लिखित दर्शनी हुण्डो द्वारा प्रेषित करना है उसकी सूचना उपर्युक्त पते पर भेजी जानी चाहिए। सभी मामलों में व्याज की चुकाई गई धनराशि और जिस अवधि के लिए व्याज की गणना की गई है और उसके साथ जमा किए गए मुख्य रुपए का पूरा ध्योरा इस विभाग को भेजना चाहिए।

सम्प्रसार, संभरक के बैंक के खर्चों सहित यदि कोई हो तो, बैंकिंग खर्च और बैंक आफ इंडिया, टोकियो ब्रांच के अन्य खर्च इंडियन बैंक आफ इंडिया, टोकियो शाखा द्वारा सीधे ही निर्धारित किए जाएंगे।

4. सार्वजनिक दूतावास, टोकियो।

5. अधर सचिव (टीए) शाखा, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, नई दिल्ली।

लेखाधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE
IMPORT TRADE CONTROL
PUBLIC NOTICE NO. 39—ITC (PN)|84
New Delhi, The 1st August, 1984

Subject.—Licensing conditions for import of Microfilm equipment and services necessary for transportation of the equipment to ports in India from Japan by the National Archives of India, New Delhi under Japanese Grant Aid for 1983-84 of Yen twenty million.

File No. IPC|23(4)|84—The terms and conditions governing imports under the Japanese Grant Aid of yen 20 million of Microfilm equipment from Japan by National Archives of India, New Delhi, as given in Appendix to this Public Notice are notified for information.

P.C. JAIN, Chief Controller of Imports & Exports

Appendix to Ministry of Commerce Public Notice No. 39-ITC (PN)/84 dated the 1st August 1984

Licensing Conditions, for import of microfilm equipment and services necessary for the transportation of the equipment to ports in India from Japan under Japanese Grant Aid for 1983-84 of Yen twenty million (Yen 20,000,000).

Section I General Conditions

I (i) The Japanese Grant Aid for 1983-84 of Yen 20 million (C&F) is intended to be used for financing payments to Japanese Suppliers for import of microfilm equipment and services necessary for the transportation thereof to ports in India, by the National Archives of India, New Delhi.

I (ii) The import licence should be issued for an amount not exceeding yen 22 million (CIF) in favour of the importer, and should bear the superscription "Yen 20 million Japanese Grant Aid for 1983-84". The licence code for the first and second suffix will be "SJN".

I (iii) No remittance of foreign exchange will be permitted against the import licence, except bank charges to the Bank of India, Tokyo which may be remitted through normal banking channels. Payment towards Indian Agent's Commission, if any, should be made in Indian rupees to the agents in India. Such payments, however, will form part of the licence value and will, therefore, be charged to the licence.

I (iv) The equipment should be procured only from Japan under this Grant Aid.

I (v) The import licence will be issued on CIF basis with validity upto 31-3-85.

I (vi) The contract should provide for payment on cash basis i.e. on presentation of shipping documents by the Japanese suppliers to the Bank of India, Tokyo. It should also provide for the period of delivery as follows :—

"delivery to be completed by 15-3-1985".

I (vii) The contract value (C&F basis only) should be expressed in Yen (fraction of Yen should be omitted) and should exclude Indian Agent's Commission, if any. In no circumstances the contract value should be expressed in any other currency.

The FOB cost and freight amount should be shown separately but it should be clarified in the contract itself whether the freight will be payable on actual basis or whether the freight charges indicated therein would be the amount payable irrespective of the actual charges.

I (viii) The purchase contract should be entered into only with the Japanese nationals or Japanese juridical person controlled by Japanese nationals.

SECTION II

The following provision should be specifically incorporated in the supply contract :—

II (i) The contract is arranged in accordance with the Agreement dated the 11th May, 1984 between the Government of India and Government of Japan concerning the Grant Aid of Yen 20 million for 1983-84 and will be subject to the approval of both the Governments.

II (ii) Payments to the suppliers shall be made through an 'Authorization to pay' (A/P) which will be issued by the Controller of Aid Accounts & Audit, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi-110001 in favour of the Bank of India, Tokyo, under the Japanese Grant Aid for 1983-84.

II (iii) The Japanese suppliers agree to furnish such information and documents as may be required by the Government of India on the one hand and the Government of Japan on the other.

II (iv) The Japanese supplier agree to make shipping arrangements in consultation with the Embassy of India, Tokyo and that for this purpose he would keep the Embassy of India, Tokyo informed of the delivery schedule of the goods involved and notify the Embassy of India, at least six weeks in advance of the shipping required so that suitable arrangements should be made. In exceptional cases, where the importer require it this period of notice may be reduced. The Japanese supplier should also agree to send a cable advice to the importer after each shipment giving the necessary details and a copy thereof should be sent to the Embassy of India, Tokyo.

Section III : Contract Approval by Governments of India and Japan.

III (i) As soon as the orders are finalise, the importer should forward to the Under Secretary (I.A.), Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, North Block, New Delhi 4 copies of the contract duly signed by both parties or purchase orders by the Indian importer placed on the Japanese supplier supported by order confirmation in writing by the Japanese supplier or their photo copies complete in all respects together with two copies of the 'Request for issue of A/P' in the form at Annex. I. The above procedure will also apply to all contract amendments causing essential modifications to the contents of contracts or in its price.

III (ii) The Ministry of Finance (DEA) Japan Section will arrange to send one copy of the contract to the Government of Japan for their approval for financing under the Japanese Grant Aid for 1983-84 of Yen 20 million, and one set of the documents mentioned in (i) above will also be sent to the CAA&A and the Embassy of India in Tokyo simultaneously.

III (iii) On receipt of the contract approval from the Government of Japan, the Japan Section of the Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, North Block will inform the Controller of Aid Accounts & Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi-110001 of the same who will issue an 'Authorisation to Pay' (A/P) to the Bank of India, Tokyo in the form at Annexure II for

making payment to the Japanese supplier. Copies of the A/P will be endorsed to the Embassy of India, Tokyo, the importer, importer's Bank in India and Japan Section Department of Economic Affairs, Ministry of Finance.

III (iv) On receipt of the Authorisation to Pay (A/P) the Bank of India, Tokyo will intimate the fact of this receipt to the Japanese supplier under intimation to the Government of Japan, Embassy of India, Tokyo, the importers' Bank in India and the CAA&A.

III(v) The Japanese supplier shall, after effecting shipment present through his bankers the documents specified in the A/P to the BOI, Tokyo. If the documents are found to be in order, the Bank of India, Tokyo will release the amount specified in the documents to the Japanese supplier through his bankers.

III(vi) Banking charges payable to the Bank of India, Tokyo for arranging the payment to the Japanese supplier shall be settled by the concerned importer's bank in India by remittances to the BOI, Tokyo through normal banking channel without affecting the Government of India's account.

Section IV : Responsibility for rupee deposit.

IV (i) The original negotiable shipping documents will be invariably forwarded by the Bank of India, Tokyo, to the concerned importer's bank of India, which would be a branch of the State Bank of India or any of the nationalised banks as mentioned in (O) in Annexure-I who should release these negotiable set of documents to the importer concerned only after ensuring that the rupee equivalent of the Yen payments made to the Japanese supplier alongwith interest charges thereon calculated at the rate of 12 per cent per annum for the first thirty days and at 18 per cent for the period in excess thereof reckoned from the date of payment by the Bank of India, Tokyo to the Japanese Supplier to the date of actual rupee deposit, is deposited into Government of India account in terms of the Public Notice No. 31-ITC(PN)/83 dated 10-8-83. The interest is payable for both the days i.e. the day in which payment is made to the Japanese supplier and also the day on which rupee deposits is made in to Government account vide Public Notice No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-1974 as modified under Public Notice No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976. The exchange rate to be adopted for computing the rupee equivalent of the Yen Payment will be the prevailing composite rate of exchange as laid down in CCI&E Public Notice No. 8-ITC(PN)/76 dated 17-1-1976 or as may be notified by Government from time to time through Public Notices of the CCI&E or through Exchange control circulars of the Reserve Bank of India. Any change in this regard as also in regard to the rate of interest will be notified as and when necessary. It will be the responsibility of the Indian bank concerned to ensure that the amounts due are correctly deposited into Government Account before the import documents are handed over to the importers. The importer should also ensure that the amounts due are

correctly deposited into Government account before taking delivery of the documents from their bankers. It is the responsibility of the importer to ensure that the amounts due are correctly deposited in to the Government account promptly even when they obtain delivery of the goods from the customs authorities under exceptional circumstances. In case the importer fails to deposit the amounts due to Government before taking delivery of the goods, the issue of further IAS to him may be stopped and the matter reported to the CCI&E so that no further import license is issued to such an importer. The Head of Account to which the above rupee deposits should be credited is "K-Deposits and Advances-843-Civil Deposits-Deposits for purchases etc., abroad—purchase under Grant Aid from the Government of Japan"—for 1983-84, Grant for purchase of the microfilm equipment/services for the purpose of preserving the historical records of India.

IV (ii) The amount referred to above should be deposited in cash to the credit of the Government either in the Reserve Bank of India, New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the challan or in the State Bank of India, Tis Hazari, Delhi or if this is not possible, should be remitted by means of a demand draft obtained from any branch of the State Bank of India or its subsidiaries or any one of the Nationalised Banks (Drawer) drawn on and made payable to the State Bank of India, Tis Hazari Branch, Delhi-6 (Drawee and Payee) for credit to Government account as contemplated in Public Notices No. 184-ITC(PN)/68 dated 30-8-1968, No. 233-ITC(PN)/68 dated 24-10-1968 and No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971, No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-1974 and No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976.

IV (iii) The concerned bank in India shall also furnish such additional deposit in the same manner stipulated above as may be requested by the Government of India on account of service charges within seven days after such a demand is made by the Government. While filling in the various columns in the Challan it should be ensured by the Importers/their bankers that the information prescribed in para 2 of Public Notice No. 132-ITC(PN)/71 dated 5th October 1971 and also in Public Notice No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-1974 read with Public Notice No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976 is invariably indicated in the column "full particulars of remittances and authority (if any)" of the challan. The following particulars should invariably be furnished in the Treasury Challans :

- (a) Ministry of Finance 'A/P' (Authorisation to Pay) No. and Date.
- (b) Amount to Yen Currency in respect of which deposits are to be made together with rate of conversion adopted.
- (c) Date of payment to the Japanese supplier.
- (d) The amount of interest paid and the period for which it has been calculated.
- (e) Total amount deposited.

(Interest is to be calculated for the period from the date of payment to the Japanese supplier upto and inclusive of the date of deposit of rupee equivalents into Government Account).

Thereafter the Treasury Challans evidencing the rupee deposit should be sent by registered post to the CAA&A indicating reference to the A/P issued by him and also enclosing copies of invoice and shipping documents.

Note.—Importer's Bank in India should ensure that the rupee deposits are invariably made within 10 days of the receipt of the advice of payment and negotiable shipping documents from the Bank of India, Tokyo and that the CAA&A, Ministry of Finance (DEA), New Delhi is informed immediately thereafter.

IV (iv) The concerned bank in India should also endorse the amount of rupee deposits on the exchange control copy of the licence and send the requisite "S" Form to the Reserve Bank of India, Bombay.

Section V: Miscellaneous provisions

V (i) Reports on the utilisation of the Grant Aid

The importer should send a monthly report after the A/P has been issued regarding shipments and payments made there against and about the balance left, to the Controller of Aid Accounts and Audit, Department of Economic affairs, Ministry of Finance, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi.

The importer should apprise the supplier of any special provisions in the import of goods under this Grant Aid which may affect the suppliers in carrying out the transaction.

V (iii) Disputes

It should be understood that the Government of India will not undertake any responsibility for dispute, if any, that may arise between the importer and the suppliers. The conditions to be fulfilled by the supplier before payment by the Bank of India, Tokyo must be clearly spelt out by the importer in Annexure I under "Terms of Payment". Provision dealing with a settlement of disputes be included in the condition of contract.

V (iv) Future Instructions

The importer shall promptly comply with any direction, instructions or orders issued by the Government of India from time to time regarding any and all matter arising from or pertaining to the imports and for meeting all obligations under the Grant Aid for 1983-84 from Japan.

V (v) Breach or violation

Any breach or violation of conditions set forth in the above clauses will result in appropriate action under the Imports and Exports (Control) Act.

V (vi) List of Annexures

Annexure I—Request for issue of A/P

Annexure II—Form of A/P.

Annexure I

REQUEST FOR ISSUE OF THE AUTHORISATION TO PAY No.

To

The Controller of Aid Accounts & Audit.

Ministry of Finance,

Department of Economic Affairs,

UCO Bank Building, 1st Floor.

Parliament Street, New Delhi-110001.

Subject:—Import of microfilm equipment and services necessary for the transportation of the equipment to ports in India from Japan under the Japanese Grant Aid of Yen 20 Million for 1983-84.

Sir,

In connection with the import of above mentioned equipment from Japan under the above mentioned Grant Aid, we furnish the following particulars to enable you to issue the A/P to the Bank of India, Tokyo in favour of the Japanese Supplier concerned:—

- (a) Name and address of Indian importer.
- (b) Number, date and value of the import licence and date upto which it is valid.
- (c) Method of procurement whether it is based on direct purchase or limited open tendering in which case it should be indicated whether the contract has been awarded on the basis of technically suitable offer with reason, if any.
- (d) Brief description of the goods.
- (e) Origin of the goods.
- (f) Gross C&F value of contract (in Yen).
- (g) Amount of India agent's commission (in Yen), if any, payable in Indian rupees.
- (h) Net C&F value (in Yen) for which the A/P is required.
- (i) Name and date of the contract with Japanese Suppliers.
- (j) Name and address of the Japanese Supplier and attach an eligibility certificate (in duplicate).
- (k) Payment terms and probable dates on which payments under the contract will fall due.
- (l) Expected date of completion of deliveries.

- (m) Documents to be presented at the time of payment to Bank of India, Tokyo (indicating No. of sets of each and their disposal).
- (n) Shipment instructions (indicate if transshipment/partshipment permitted or not permitted).
- (o) Name and Address of the Importer's bank of India.
- (p) Undertaking by the importer :—"We hereby undertake to make full and correct deposit of the rupee equivalent etc., of the payment made to the foreign supplier in the manner and at the rate prescribed by Government. The deposits will be made promptly before taking delivery of each consignment of the goods (material imported). In case of payments for services of foreign nationals, the deposits will be made as soon as the relevant invoices of the foreign suppliers are approved by us and the payments made to the supplier."

Yours faithfully,

ANNEXURE-II

No. F.

Government of India

Ministry of Finance

Department of Economic Affairs

New Delhi, the

To

The Bank of India,
Tokyo Branch,
Tokyo (Japan).

Subject:—Import of microfilm equipment and services necessary for the transportation of the equipment to ports in India from Japan under Japanese Grant Aid of Yen 20 million for 1983-84. Issue of Authorisation to Pay.

Dear Sirs,

In accordance with the terms and conditions of the agreement dated.....entered into with your Bank, you are hereby authorised to pay an amount not exceeding Yen.....to M/s.....as per details given in the appendix.

2. Please advise the Supplier of the fact of receipt of this Authorisation to Pay (A/P) and endorse a copy of this advice to the Government of Japan, Importers' Bank, Embassy of India, Tokyo and this Ministry.

3. Payments to the suppliers in terms of the A/P will be made on the basis of shipping documents as indicated in the Appendix.

4. Banking charges including charges for handling documents and charges of Overseas Suppliers,

592 GI/84—2

Bankers if any, payable to you by the importer, will be settled directly by the importer's bank.

5. As and when any payment is made by you on the basis of shipping documents presented by the Japanese supplier, an advice in the prescribed form should be sent to this Ministry and the importer's bank.

6. No amendment to this A/P may be advised in the absence of a specific authority from this Ministry.

7. This A/P will remain valid upto.....

Yours Faithfully,

(Accounts Officer)

Copy forwarded to :—

1. Importerwith reference to their letter No.....dated

They are requested to arrange to deposit through their Bankers, the rupee deposits etc. at the prescribed rate and manner, before taking delivery of the negotiable documents from the Bankers. In case due to exceptional circumstances delivery of goods is obtained directly from the Customs and Port authorities without furnishing the original shipping documents, the deposits should be made before taking the delivery. In the case of payments for services rendered by foreign Nationals, the deposits should be made as soon as the relevant invoices are approved for payment. Failure to make the deposits promptly and correctly may entail action as mentioned in the Licensing conditions.

2. Importer's Banker.....They are requested to arrange to deposit the rupee equivalent of the Yen payment to the Japanese suppliers on receipt of documents from the Bank of India, Tokyo Branch. The rupee equivalent of amount disbursed to the suppliers will have to be calculated by applying the composite rate of conversion as prevailing on the date of payment to Japanese suppliers in accordance with the Public Notice No.8-ITC(PN) 76 dated 17-1-1976 or such other Public Notices as may be issued from time to time. Interest 12 per cent per annum for the first thirty days and at the rate of 18 per cent annum for the period excess thereof reckoned for the period between the date of payment to the supplier and the date on which the rupee equivalents are deposited into the Government account, is required to be deposited into the Government of India account in terms of Public Notices No. 31-ITC (PN) 83 dated 10-8-1983. The interest is payable for both the days i.e. the day on which payment is made to the Japanese Supplier and also the date on which rupee deposit is made into Government account. (Any change in this rate will be intimated if and when made). It should be ensured that these deposits are made before the original set of import documents are handed over to the importer for Customs Clearance.

These amounts should be deposited either with the RBI, New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the Challan or in the S.B.I., Tis Hazari, Delhi or remitted by means of Demand Draft obtained by them from any Branch of the S.B.I or its subsidiaries or any one of the Nationalised Banks (Drawer) drawn on and made payable to the S.B.I., Tis Hazari, Delhi-6 (drawee and Payee). In this connection their attention is also invited to the provisions of the Public Notices No. 233-ITC(PN)/68 dated 24-10-1968, No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971, No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-1974 and 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976. The head of account to be credited is 'K-Deposits & Advances-843-CIVIL Deposits-Deposits for purchases etc. abroad-Purchases under Grant Aid from Govt. of Japan for 1983-84 under detailed head 'Y 20 million grant aid for purchase of the microfilm equipment/services for the purpose of preserving the historical records of India.

One copy of the challan in original, in cases where the rupee equivalents are credited in cash at the RBI, New Delhi or the SBI, Tis Hazari, Delhi as prescribed in Public Notice No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971 should be sent by them to the address given below alongwith a forwarding letter giving full

details of the advice notes received from the Bank of India, Tokyo Branch.

The Controller of Aid Accounts & Audit, Ministry of Finance (Department of Economic Affairs), 1st Floor, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi-110001.

In cases where the rupee equivalents are remitted by means of demand drafts as laid down in the Public Notice dated 24-10-1968 mentioned above, intimations thereof should be sent to the address given above. In all cases, full particular of the rupee equivalents deposited alongwith the amount of interest paid and the period for which interest has been calculated should be furnished to this Department.

The banking charges, of the Bank of India, Tokyo Branch, including charges of the Overseas suppliers bankers, if any, should be settled directly between the Indian Bank and the Bank of India, Tokyo Branch.

4. Embassy of India, Tokyo.

5. The Under Secretary (IA), Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, New Delhi.

Accounts Officer